सं श्रो वि./हिसार/116/83/58956.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के अमिक श्री राम बाबू तथा उसके प्रवन्धकों के वीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है ;

इस लिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हिरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 9641-1-श्रम/2/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3864-ए.एस.श्रो. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1980 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायू निर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री राम बाबू की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं श्री वि /हिसार/116/83/58962.—चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ० हिसार टैक्सटाईल मिलज, हिसार के श्रीमक श्री गोबिन्द राम तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

इसलिये, स्रब, स्रौद्योगिक विवाद स्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई सिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम/2/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970 के साथ गठित सरकारी अधिसूचना सं० 3864-ए.एस.स्रो. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1980 द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7 के सधीन गठित श्रम न्यायालय रोहतक को विवादमस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय निर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादमस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री गोबिन्द राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं • ग्रो.वि./हिसार/116/83/58968.—-चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के श्रमिक श्री देश राज तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है ;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं० 9641-1-श्रम/2/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी श्रधिसूचना सं० 3864-ए.एस.ग्रो. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1980 द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय निर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री देश राज की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

. सं॰ ग्रो.वि /हिसार/117/83/58974.—चूिक हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ॰ हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के श्रीमक श्री राम दुलारे तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये , हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 9641-1-श्रम/2/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3864-ए.एस.ग्रो. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1980 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री राम दुलारे की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं श्रो.वि./हिसार/117/83/58980--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ० हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के श्रमिक श्री म्याम लाल तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

इस लिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 को उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 9641-1-श्रम/2/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 3864-ए.एस.ग्रो.(ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मईइ 1970 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक का विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला निर्णय हेतु निर्दिश्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री श्याम लाल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? 🕟

सं श्रो वि /हिसार/117/83/58986.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के श्रमिक श्री राय सिंह तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 9641-1-श्रम/2/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रधिसूचना सं. 3864-ए.एस.ग्रो. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1970 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक का विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला निर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री राय सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं श्रो वि /हिसार/117/83/58992 - वृक्ति हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के श्रीमक श्री रतन सिंह तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिर्याणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 9641-1-श्रम/2/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970 के साथ गठित सरकारी अधिसूचना सं 3864-ए.एस.आे. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1970 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, होहतक का विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला निर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री रतन सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संस्रो वि /हिसार/117/83/58998 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के श्रमिक श्री विश्वानाथ तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

क्या श्री विश्वा नाथ की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं.श्रो वि /हिसार/117/83/59004.--चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. हिसार टैक्सटाईल मिल, हिसार के श्रीमक श्री जगपाल सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 9641-1-अम/2/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी अधिसूचना सं 3864-ए.एस.ग्रो.(ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1970 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक का विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला निर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री जगपाल सिंह् की सेवाय़ों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहुत का हकदार है ?